Padma Shri

DR. LAKSHMIPATHY RAMASUBBAIYER

Dr. Lakshmipathy Ramasubbaiyer is a famous journalist. Starting from humble beginning in Dinamalar, Tamil Newspaper as an Advertisement Executive in 1956, he rose to the level of its Joint managing Editor. He is the President of Subbalakshmi Lakshmipathy Foundation - a Charitable Educational Trust.

2. Born on June 17, 1935, Dr. Ramasubbaiyer received his Bachelor of Science in Chemistry from Travancore University, and Diploma in Newspaper Management in Thompson Foundation, United Kingdom. In 1970, Thompson Foundation deputed him for a Diploma in Newspaper Management in University of Cardiff, South Wales, United Kingdom.

3. Dr. Ramasubbaiyer revolutionised the newspaper industry bringing in the cutting edge technology from time to time. He held various positions in newspaper arena. He was the Chairman of Audit Bureau of Circulation (1986-87), Chairman of Press Trust of India (1998-99, 2006-07 and 2012-13), President of Indian Newspaper Society (1992-93) and President of Indian Languages Newspapers Association, Mumbai (2001-03).

4. Besides his achievements in Newspaper industry, Dr. Ramasubbaiyer started his efforts in providing quality education to the under privileged society in rural areas around Madurai. With this objective, he started Subbalakshmi Lakshmipathy Foundation, a Charitable Trust to bring about radical changes in education. His vision was to provide job-oriented education. He started a CBSC School, Arts and Science College, Business School, Maritime Training Institute, Engineering College, with a single objective of "Learning for better living". These institutions provide quality education for the last 30+ years for the meritorious students without any kind of capitation fee. These job oriented under-graduate and postgraduate courses are in the fields of catering, animation, visual communication, banking, insurance, cyber security, data science, networking, food processing, fire & Industrial safety, logistics and commerce.

5. Dr. Ramasubbaiyer held many honourable positions in universities. He was the Senate Member of the Madurai Kamaraj University (1989-91), Senate Member of the Bharathiar University (1997-2000), Syndicate Member of the Madurai Kamaraj University (2003-06, 2018-21, 2021-24), Secretary Madura College Board (1986-90), President of the Tamil Nadu Unaided Colleges Management Association, President of Madurai Kamaraj University Private Colleges Management Association, Member of the National Integration Council, Ministry of Home Affairs (2005-08).

6. Dr. Ramasubbaiyer was conferred with Doctor in Literature (Honoris Causa) in recognition of his contributions and achievements in Education and Journalism by Alagappa University in the year 2003 and by Bharathiar University in the year 2009.

डॉ. लक्ष्मीपति रामसुब्बैयर

डॉ. लक्ष्मीपति रामसुब्बैयर एक प्रसिद्ध पत्रकार हैं। उन्होंने 1956 में तमिल समाचार–पत्र दीनामलार में विज्ञापन एक्जीक्यूटिव के रूप में साधारण शुरुआत की, जहां से वह इसके संयुक्त प्रबंध संपादक के स्तर तक पहुंचे। वह धर्मार्थ शैक्षिक ट्रस्ट, सुब्बालक्ष्मी लक्ष्मीपति फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं।

2. 17 जून, 1935 को जन्मे, डॉ. रामसुब्बैयर ने त्रावणकोर विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और थॉम्पसन फाउंडेशन, यूनाइटेड किंगडम से समाचार–पत्र प्रबंधन में डिप्लोमा किया। 1970 में, थॉम्पसन फाउंडेशन ने डॉ. लक्ष्मीपति को कार्डिफ यूनिवर्सिटी, साउथ वेल्स, यूनाइटेड किंगडम में समाचार–पत्र प्रबंधन में डिप्लोमा के लिए भेजा।

3. डॉ. रामसुब्बैयर ने समय–समय पर अत्याधुनिक तकनीक लाते हुए समाचार–पत्र उद्योग में क्रांति ला दी। उन्होंने समाचार–पत्र के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर कार्य किया। वह ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन के अध्यक्ष (1986–87), प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष (1998–99, 2006–07 और 2012–13), इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी के अध्यक्ष (1992–93) और इंडियन लैंग्वेज न्यूजपेपर्स एसोसिएशन, मुंबई के अध्यक्ष (2001–03) रहे।

4. समाचार–पत्र उद्योग में अपनी उपलब्धियों के अलावा, डॉ. रामसुब्बैयर ने मदुरै के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वंचित समाज को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अपने प्रयास शुरू किए। इस उद्देश्य से, उन्होंने शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए एक धर्मार्थ ट्रस्ट, सुब्बालक्ष्मी लक्ष्मीपति फाउंडेशन की शुरुआत की। उनका विज़न रोजगार उन्मुख शिक्षा प्रदान करना था। उन्होंने "बेहतर जीवन के लिए शिक्षा" के एकमात्र उद्देश्य के साथ एक सीबीएससी स्कूल, कला और विज्ञान कॉलेज, बिजनेस स्कूल, समुद्री प्रशिक्षण संस्थान, इंजीनियरिंग कॉलेज शुरू किए। ये संस्थान पिछले 30 से अधिक वर्षों से मेधावी छात्रों को किसी प्रकार की कैपिटेशन फीस के बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। ये रोजगार उन्मुख स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कैटरिंग, एनीमेशन, विजुअल कम्युनिकेशन, बैंकिंग, बीमा, साइबर सुरक्षा, डेटा विज्ञान, नेटवर्किंग, खाद्य प्रसंस्करण, अग्निशमन और औद्योगिक सुरक्षा, लॉजिस्टिक और वाणिज्य के क्षेत्र में हैं।

5. डॉ. रामसुब्बैयर ने विश्वविद्यालयों में कई सम्मानित पदों पर कार्य किया। वह मदुरै कामराज विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य (1989–91), भरतियार विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य (1997–2000), मदुरै कामराज विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य (2003–06, 2018–21, 2021–24), मदुरा कॉलेज बोर्ड के सचिव (1986–90), तमिलनाडु अनएडेड कॉलेज मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष, मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी प्राइवेट कॉलेज मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष, राष्ट्रीय एकता परिषद, गृह मंत्रालय के सदस्य (2005–08) रहे।

6. डॉ. रामसुब्बैयर को शिक्षा और पत्रकारिता में उनके योगदान और उपलब्धियों के लिए वर्ष 2003 में अलगप्पा विश्वविद्यालय और वर्ष 2009 में भरतियार विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टर इन लिटरेचर (मानद) की उपाधि से सम्मानित किया गया।